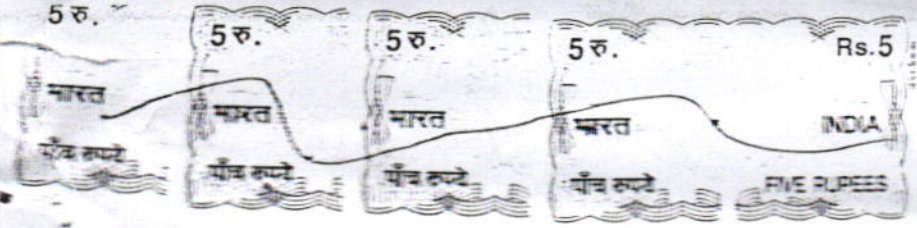


45



न्यायालय राजस्व मंडल ग्वाक्षिर मण्डल ।

निशाने क्रमांक निवासी २०१३-१-१५ फर

1. रामकृपाल तनय श्री पंचा कोरी निवासी
ग्राम पाय तहसील राजनगर जिला उत्तरपुर म०१० ।
2. देवेंद्र सिंह तनय स्व० श्री कर प्रसाद सिंह
बुन्देला निवासी ग्राम पाय तह० राजनगर जिला
उत्तरपुर म०१० ।
3. इन्द्रदेव सिंह तनय स्व० श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह
बन्दूला निवासी ग्राम पहरा हाल निवासी म्हेल
उत्तरपुर तह० व जिला उत्तरपुर म०१० ।

निशाने क्रमांक

दि. १५-१-१५ को

बनाम

यसके ऑफ कोर १-१-१५

राजेश मण्डल म.प्र. ग्वाक्षिर दुबाई पुत्री स्व० श्री रामदास अहिरवार

१५-१-१५ को
१-१५-१५ को
२०१३ को
२०१३ को

पत्नी श्री दत्तईया अहिरवार निवासी ग्राम पाय
हाल निवासी ग्राम टटम तह० महाराजपुर जिला
उत्तरपुर म०१० ।

2. हीराबाई पुत्री स्व० श्री रामदास अहिरवार पत्नी
श्री हीराबाई अहिरवार निवासी ग्राम पाय हाल
निवासी बैनी तहसील राजनगर जिला उत्तरपुर म०१०।
3. सुनिषाबाई पुत्री स्व० श्री रामदास अहिरवार पत्नी
श्री विद्दी अहिरवार निवासी ग्राम पाय हाल निवासी
ग्राम सोरा तह० राजनगर जिला उत्तरपुर म०१० ।
4. सुताबाई पुत्री स्व० श्री रामदास अहिरवार पत्नी
श्री अंबरलाल अहिरवार निवासी ग्राम पाय हाल
निवासी खरपोट बाँतोनी उरुवाही तह० राजनगर
जिला उत्तरपुर म०१० ।

१५-१-१५ को
१-१५-१५ को
२०१३ को
२०१३ को

5. मुकुजारी तनय स्व० श्री रामदास अहिरवार निवासी
ग्राम पाय तह० राजनगर जिला उत्तरपुर म०१० ।

3

1/2/1

6. शासन मध्यप्रदेश । ----- गैर निगरानीकर्ता गण

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म0प्र0
भू-राजस्व संहिता 1959 विरुद्ध
न्याय लय श्रीमान् अनुविभागीय अधि0
महो0 राजनगर के प्रकरण क्रमांक 09/
अपील/13-14 में पारित आदेश दिनांक
22/06/2015 ।

महोदय,

उक्त निगरानीकर्ता गण सादर निम्न निगरानी प्रस्तुत करते हैं :-

॥ 1 ॥ यह कि ग्राम पाय तहसील राजनगर जिला छतरपुर म0प्र0 की
भूमि खसरा नं0 841/2 रकबा 2.332 हैक्ट0 लगानी 5.04 रूपया की भूमि
पूर्व में गुलजारी तनय स्व0 श्री रामदास अहिरवार के नाम भूमि स्वामी छ0
स्वात्व पर राजस्व रिकार्ड में दर्ज थी ।

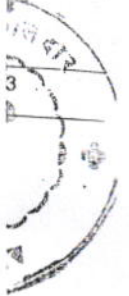
॥ 2 ॥ यह कि गुलजारी अहिरवार निहशक्तान फौत हुआ है उसके कोई
सगे सम्बन्धी नहीं है । इस कारण से उसने अपने जीवन काल में अपनी उपरोक्त
सम्पत्ति की वसीयत निगरानीकर्ता क्रमांक 01 रामरूपाल तनय पंचा कोरी
के पक्ष में दिनांक 04/03/2002 को निष्पादित की थी । और इसी वसीयत
नामा के आधार पर तहसीलदार राजनगर द्वारा अपने प्रकरण क्रमांक 88/अ-
06/2012-13 में पारित आदेश दिनांक 27/08/2013 के आधार पर नामांतरण
स्वीकृत किया गया था ।

॥ 3 ॥ यह कि नामांतरण ~~छ0प्र0~~ स्वीकृत होने के उपरान्त निगरानीकर्ता
क्रमांक 01 को रूपयो की आवश्यकता थी इस कारण से उपरोक्त भूमि को
दिनांक 12/09/2013 को निगरानीकर्ता क्रमांक 02 एव03 को यह भूमि निकुंय
कर दी । जिसका नामांतरण भी ग्राम पाय की नामांतरण पंजी क्रमांक 14

ने 20/04/2014 को स्वीकृत किया गया था ।

3

गण प्रशासन
मध्य प्रदेश
खरौली



न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

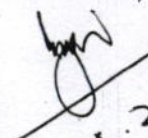
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी-2083-एक/2015

जिला छतरपुर

रामकृपाल विरूद्ध कटटूबाई

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
04-02-2019	<p>1. प्रकरण प्रस्तुत ।</p> <p>2. आवेदक की ओर से अभिभाषक श्री मुकेश भार्गव उपस्थित। आवेदक के द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजनगर जिला छतरपुर के प्रकरण क्रमांक 09/अपील/ 2013-14 में पारित आदेश दिनांक 22-06-2015 के विरूद्ध म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अधीन दिनांक 04-07-2015 को पुनरीक्षण याचिका प्रस्तुत की गई थी।</p> <p>3. म.प्र. भू-राजस्व संहिता संशोधन अधिनियम 2018 का क्रियान्वयन राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ 2-9/2018/सात/शा.6 भोपाल दिनांक 16-08-2018 के अनुक्रम में दिनांक 25-09-2018 से लागू हो गया है। उक्त अधिसूचना की धारा 54 के अनुसार -</p> <p>"1. संशोधन अधिनियम 2018 के प्रवृत्त होने के ठीक पूर्व पुनरीक्षण में लंबित कार्यवाहियां यथासंशोधित अधिनियम 2018 की धारा 50(1)(ग) एवं 54(क) के अधीन उन्हें सुने जाने तथा विनिश्चित किये जाने के लिये सक्षम राजस्व अधिकारी द्वारा सुनी जायेगी तथा विनिश्चित की जायेगी, और यदि इस प्रयोजन के लिये अपेक्षित हो तो ऐसे राजस्व अधिकारी को अंतरित की जायेगी।"</p> <p>4. अनुविभागीय अधिकारी के द्वारा पारित आदेश के विरूद्ध म.प्र. भू-राजस्व संहिता की धारा 50(1)(ग) एवं 54(क) के अंतर्गत पुनरीक्षण हेतु सक्षम राजस्व अधिकारी संबंधित जिला कलेक्टर है। अतः उक्त संशोधन के फलस्वरूप इस न्यायालय में प्रस्तुत पुनरीक्षण आवेदन पर कलेक्टर छतरपुर के द्वारा ही पुनरीक्षण याचिका का निराकरण किया जाना होगा।</p>	


04.2.19


3

5. अतः उक्त नवीन संशोधन के अनुक्रम में पुनरीक्षण याचिका के निराकरण हेतु प्रकरण कलेक्टर छतरपुर को अंतरित किया जाता है। आवेदक दिनांक 15-04-2019 को इस आदेश की सत्यप्रतिलिपि लेकर कलेक्टर छतरपुर के न्यायालय में प्रस्तुत हो।

6. कार्यालय का दायित्व होगा कि उक्त दिनांक से पूर्व संबंधित अभिलेख कलेक्टर छतरपुर के न्यायालय में भेज जाये।

7. उभय पक्ष अभिभाषक को नोट कराया जाये।




(आर.के.जेन) 04.02.19
सदस्य